कार्यालय प्राचार्य, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय (स्वशासी),
पचपेढ़ी, जबलपुर–482001 (म.प्र.),
☎– 0761- 2678737 Fax – 0761-2621272,

कार्यषाला का षुभारंभ

प्रेस विज्ञप्ति

"विज्ञान के विद्यार्थी तकनीक का प्रयोग सीखे परन्तु इसका उद्देष्य समाज तथा मानवता का कल्याण ही होना चाहिए। विज्ञान का विकास तथा प्रचार का अन्तिम उद्देष्य ही सेवा तथा कल्याण है।" उक्ताषय के विचार प्रोफेसर एस.पी.गौतम पूर्व चैयरमेन केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण वोर्ड द्वारा सांइस कॉलेज जबलपुर में एक्स.आर.डी. तथा एफ.टी.आई.आर. तकनीक के अनुप्रयोग विषय पर आयोजित सात दिवसीय कार्यषाला के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। विषिष्ट अतिथि डॉ.पंकज आर.सागदेव आई.आई.टी. इंदौर ने अपने उदबोधन में कहा कि ज्ञान का महत्व तभी है जब इससे कोई ऐसा प्रोडक्ट डेवलप हो जो उपयोगी साबित हो। संस्था के प्राचार्य डॉ. ए.एल.महोबिया ने कहा कि इस प्रकार की कार्यषाला द्वारा षिक्षकों तथा षोधार्थियों तक विज्ञान तथा तकनीक का प्रत्यक्ष लाभ पहुॅचता है।

कार्यक्रम का षुभारंभ मॉ सरस्वती के पूजन वंदन से हुआ। कार्यषाला में स्वागत भाषण समन्वयक डॉ.रवि कटारे द्वारा दिया गया। रसायनषास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के.एस.दुबे द्वारा महाविद्यालय मे चल रही रिसर्च गतिविधियों तथा सेन्ट्रल इन्ट्रमेन्टेषन लैब में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में प्रतिभागियों को बताया गया। कार्यषाला की संयोजक डॉ. षिखा सक्सेना द्वारा बताया गया कि कार्यषाला का उद्देष्य विज्ञान का प्रसार तथा देष में वैज्ञानिक संसाधनों का विकास करना है।

डॉ.अरूण कक्कड द्वारा कार्यषाला में प्रयोग आने वाले उपकरणों द्वारा प्राप्त निष्कर्षो पर प्रकाष डाला।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.ज्योति श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अतिथि परिचय डॉ. अंकिता बोहरे तथा डॉ.उषा मसराम द्वारा दिया गया। आभार प्रदर्षन कार्यषाला के आयोजन सचिव डॉ.राजेन्द्र कुरारिया द्वारा किया गया। आमंत्रित अतिथियों को समृति चिन्ह प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में डॉ.आर.के.श्रीवास्तव डॉ.षैलेन्द्र श्रीवास्तव डॉ.संजय कक्कड का विषेष सहयोग रहा।

प्रथम सत्र में क्रिस्टल संरचना पर आई.आई.टी. इंदौर के डॉ.पंकज सागदेव द्वारा अपना व्याख्यान दिया गया। वही द्वितीय आमंत्रित वक्ता डॉ. अर्चना राजा रमन्ना प्रगत प्रौधोगिकी केन्द्र इंदौर द्वारा डाटा एनालिसिस तथा प्रोसेसिंग पर अपनी प्रस्तुति दी।

प्राचार्य